पाठ 12. भारत की अग्नि-पुत्री

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को भारत की 'मिसाइल वुमन' कही जाने वाली टेस्सी थॉमस के व्यक्तित्व तथा अनुभवों से प्रेरणा दिलवाना है। यह पाठ बच्चों विशेषकर बालिकाओं को अपने सपनों को, अपने लक्ष्यों को पूरा करने का हौसला प्रदान कर रहा है।

पाठ का सारांश

विज्ञान के क्षेत्र में पुरुषों के वर्चस्व को समाप्त कर टेस्सी थॉमस ने एक मिसाल कायम की है। उन्हीं के नेतृत्व में 'अग्नि-5' का सफल परीक्षण किया गया था। मिसाइल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के कारण उन्हें 'अग्नि-पुत्री' तथा 'मिसाइल वुमन' के नाम से जाना जाता है। बचपन में एक बार अपने स्कूल की ओर से वह तिरुवनंतपुरम स्थित थुंबा रॉकेट स्टेशन देखने गईं और तब से ही उन्होंने वैज्ञानिक बनने का सपना सँजो लिया। बी.टेक. तथा एम.टेक. का कोर्स पूरा करने के बाद उन्हें डी.आर.डी.ओ. द्वारा चलाए जा रहे कोर्स 'गाइडेड वेपन' के लिए चुना गया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। एक सफल वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वे एक सफल गृहिणी भी हैं। टेस्सी थॉमस ने युवा महिलाओं को संदेश देते हुए कहा है कि यदि आपके अंदर सीखने की इच्छा हो और चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हो तो आप जीवन में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे प्रश्नों पर बातचीत करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के मुख्य अंशों को समझाएँ। बच्चों को भारत की मिसाइल वुमन टेस्सी थॉमस के बारे में बताएँ। साथ ही, भारत की अन्य प्रभावशाली महिलाओं के बारे में भी जानकारी दें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- पूछें, वे कल्पना चावला तथा सुनीता विलियम्स के बारे में क्या जानकारी रखते हैं?
- भारत के 'मिसाइल मैन' कौन कहे जाते हैं? उनकी आत्मकथा का नाम बताएँ।
- उन्हें बताएँ कि अग्नि-5 भारत की प्रथम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता पाँच हज़ार किलोमीटर तक है।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।